Name- Anil Kumar
Dept. of Pol. Science
Adarsh College Raj Dhanwar

(Sem- II) Paper- 4 (भारतीय राजनीतिक चिंतक)

Lession- 1 (Kautilya :- Saptang and Mandal Theory)
(शेष भाग का Ans)

Q. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत की विवेचना कीजिए ?

Ans :-
भारतीय राजशास्त्र के अंतर्गत मनु, भीष्म एवं शुक्र आदि राजशास्त्रियों के द्वारा राज्य की कल्पना एक ऐसे जीवित शरीर के रूप में की गई है जिसके सात अंग होते हैं। शुक्रनीति में राज्य के इन अंगों की मानव शरीर से तुलना करते हुए कहा गया है कि :- "उस शरीर रूपी राज्य में राजा मूर्धा (सिर) के समान है, आमात्य आँख है, सहृत कान है, कोष मुख है, बल मन है, दुर्ग हाथ हैं और राष्ट्र पैर है।"

इन विद्वानों के समान ही कौटिल्य ने भी राज्य को सप्त प्रकृतियुक्त माना है। राज्य की ये सात प्रकृतियाँ या अंग इस प्रकार है — स्वामी, अमात्य, जनपद (प्रदेश), दुर्ग, कोष, दण्ड और मित्र। इस तरह कौटिल्य के अनुसार राज्य एक ऐसा सावयव या शरीर है जिसके उपर्युक्त सात अंग हैं। ये सात प्रकृति या अंग मिलकर राजनीतिक संतुलन बनाये रखते हैं।

=) स्वामी या राजा राज्यसत्ता का प्रयोग करता है।

=) अमात्य राजा को उसके प्रयोग में परामर्श देता है। तथा उसकी लक्ष्य सिद्धि में सहायक होता है।

Scanned by CamScanner

⇒ जनपद जन और भूमि का बोध कराते हैं।
⇒ दुर्ग आश्रय स्थल अर्थात किले और नगर को अभिव्यक्त करता है।
⇒ कोष राज्य की जीवन रेखा का निर्माण करता है या उसकी रीढ की हड्डी है जिसके सहारे राज्य स्वयं को गतिशील रखता है।
⇒ दण्ड राज्य की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था की सुदृढ़ता तथा न्याय व्यवस्था के लिए आवश्यक है। प्राचीन युग में दण्ड को ही वास्तविक रूप से राजनीति के रूप में जाना जाता था।
⇒ मित्र अन्तर्राज्यीय सम्बंधों तथा युद्ध आदि में सहयोगी के रूप में आवश्यक थे।

प्राचीन भारत में इन सात अंगों के मध्य सुदृढ, स्वस्थ और पूर्ण सहयोग आवश्यक माना जाता था। कौटिल्य का मत था कि राज्य केवल उसी स्थिति में भली भाँति कार्य कर सकता है, जबकि इन सातों अंगों द्वारा समन्वित रूप से अपना-अपना कार्य किया जाए।

Anil Kumar

Scanned by CamScanner

Objective Ques.

(1) कौटिल्य को निम्नलिखित में से किसका सर्वप्रथम महान् प्रणेता कहा जाता है ?
(i) राजनीति (ii) कुटनीति (iii) दोनो

(2) कौटिल्य के सात अंगों में से राज्य का कौन सा अंग निम्न में से नहीं है ?
(i) स्वामी (ii) दुर्ग (iii) शत्रु

(3) कौटिल्य के मतानुसार अमात्य का अर्थ है ?-
(i) परामर्श देने वाला (ii) सिंहासन पर बैठने वाला (iii) यज्ञ- उपासना करने वाला

(4) कौटिल्य के अनुसार योग क्षेम का अर्थ है
(i) जो है उसकी सुरक्षा (ii) जो नहीं है उसे प्राप्त करना (iii) दोनो

(5) कौटिल्य ने निम्नलिखित में से किस सेना का उल्लेख नहीं किया -
(i) जल सेना (ii) रथ सेना (iii) अश्व सेना

(6) कौटिल्य के अनुसार दण्ड का अर्थ है -
(i) जनसंख्या (ii) सेना (iii) राजा

Ans :- (1) (iii) (2) (iii) (3) (i) (4) (iii)
(5) (i) (6) (ii)

Anil Kumar
for any Pls Call
7004461343

Scanned by CamScanner